

**भास्कर खास**

संस्थान में हो रही नई रिसर्च को उद्योग के अनुरूप बदलने पर रहेगा फोकस

## हमारा आईआईटी बनेगा हेल्थकेयर इनोवेशन का केंद्र, सरकार यहां टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क बना रही

आईआईटी कानपुर में साइबर सिक्योरिटी, आईआईएससी बेंगलुरु में रोबोटिक्स और आईएसएम धनबाद में माइनिंग से जुड़ी रिसर्च व स्टार्टअप पर काम होगा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर अब हेल्थकेयर इनोवेशन का केंद्र बनने जा रहा है। हेल्थ केयर से जुड़े स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी में टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क बनाया जा रहा है। यह पार्क न केवल हेल्थ केयर से जुड़े स्टार्टअप के लिए फंड की व्यवस्था करेगा, बल्कि बाकी प्रक्रिया में भी मदद करेगा। एक्सपर्ट भी उपलब्ध करवाएगा।

देश में डीप-टेक स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 'टेक्नोलॉजी पार्क' विकसित किए जा रहे हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि डीप-टेक स्टार्टअप और उद्योग-अकादमिक



भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए चार मौजूदा प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्रों (टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब) को टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क (टीटीआरपी) में बदला जा रहा है।

आईआईटी कानपुर (साइबर सुरक्षा), आईआईएससी बेंगलुरु (रोबोटिक्स और स्वायत्त नेविगेशन), आईआईटी इंदौर (स्वास्थ्य सेवा) और आईएसएम धनबाद (खनन) में स्थित ये केंद्र ट्रांसलेशनल रिसर्च के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर और मदद देंगे।

### यह होगा छात्रों को फायदा

आईआईटी इंदौर में बनने वाला यह रिसर्च पार्क हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नई रिसर्च को उद्योग के अनुसार बदलने पर काम करेगा। इसमें मेडिकल डिवाइसेस, डायग्नोस्टिक्स, बायोटेक्नोलॉजी और डिजिटल हेल्थ सॉल्यूशंस जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार वर्तमान में आईआईटी इंदौर में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डायग्नोस्टिक्स और मेडिकल डिवाइसेस डेवलपमेंट में पहले से ही अलग अलग प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है।